

ख़बर संक्षेप

10 लाख प्रशंसकों की मालकिन बनी इंदवार की होनहार बेटी!



मानपुर। दृढ़ इच्छाशक्ति और कला के बल पर मुकाम हासिल करने की कोई उम्र नहीं होती. इस बात को मानपुर जनपद के इंदवार गांव की प्रतिभाशाली छात्रा श्रुति जायसवाल ने सच कर दिखाया है। इंटरनेट के माध्यम से अपनी कला और आवाज के दम पर 10 लाख से अधिक लोगों का भरोसा जीतने वाली श्रुति की इस उपलब्धि को शासन-प्रशासन ने भी सहर्ष स्वीकार किया है। मानपुर जनपद के अमरपुर में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर के दौरान एक बेहद गौरवपूर्ण दृश्य देखने को मिला। जिले की कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने श्रुति को विशेष रूप से मंच पर आमंत्रित किया और उनसे सीधी बातचीत की।

कलेक्टर ने बढ़ाया उत्साह, बताया जिले की प्रेरणा

संवाद के दौरान कलेक्टर ने श्रुति की सराहना करते हुए कहा कि इन्होंने कम उम्र में 10 लाख से अधिक लोगों तक अपनी पहुंच बनाया और उनका विश्वास जीतना कोई साधारण बात नहीं है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब युवा अपनी पहचान बना रहे हैं, तब श्रुति जैसी बेटीयां समाज को गौरवान्वित कर रही हैं। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारतात्क संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में युवाओं की यह ऊर्जा सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रही है।

गांव से निकलकर प्रदेशभर में बनाई अलग पहचान

एक बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली श्रुति ने अपनी शिक्षा के साथ-साथ अपनी रचनात्मकता को कभी पीछे नहीं छूटने दिया। देखते ही देखते उन्होंने इंटरनेट जगत में प्रशंसकों का एक विशाल परिवार खड़ा कर लिया। अमरपुर शिविर में कलेक्टर के साथ श्रुति के इस सम्मान की तस्वीर सामने आते ही समूचे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इंदवार की इस बेटी ने अपनी लगन से न केवल मानपुर बल्कि पूरे उमरिया जिले का नाम समूचे मध्य प्रदेश में रोशन कर दिया है। आज श्रुति क्षेत्र के अनगिनत विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं।

सनातन धर्म और संस्कृति के महान संवाहक स्वामी स्वरूपानंद सरस्वतीजी को 102वीं जयंती पर नमन

राम जन्मभूमि आंदोलन से लेकर गौ-गंगा, रामसेतु और आदिवासी सेवा तक जीवनभर किया राष्ट्र व धर्म के लिए कार्य

अनूपपुर। द्वाका-शारदा पीठाधीश्वर एवं ज्योतिष पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज को 102वीं जयंती पर देशभर में श्रद्धा और भक्ति के साथ उनका स्मरण किया गया। इस अवसर पर शिथ्यों, गुरु भाई-बहनों एवं अनुयायियों ने उनके विराट व्यक्तित्व और सनातन धर्म, राष्ट्र तथा समाज के प्रति किए गए योगदान को नमन किया। परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने कहा कि स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज ने अपना संपूर्ण जीवन सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का नाम समूचे एवं सर्वधर्म के लिए समर्पित किया। आदि शंकराचार्य की परंपरा में दो पीठों को सुशोभित करने वाले महान संत के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। श्रीराम जन्मभूमि पुनरुद्धार के प्रयासों में भी स्वामी स्वरूपानंद



सरस्वती जी महाराज की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को लेकर उन्होंने लंबे समय तक अपनी आवाज बुलंद की और इस दिशा में लगातार प्रयास किए। आज राम मंदिर का भव्य स्वरूप सामने है, ऐसे में उनके संघर्ष और योगदान को भी श्रद्धापूर्वक याद किया जा रहा है। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का जीवन केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं रहा। विश्व कल्याण आश्रम के माध्यम से आदिवासी एवं वनवासी समाज की सेवा, शिक्षा और संस्कार के विस्तार के साथ उन्होंने मां गंगा को राष्ट्र नदी का

सम्मान दिलाते, रामसेतु संरक्षण और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषयों को लेकर भी समाज को जागरूक किया।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में भी उन्होंने राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन किया। संत, धर्माचार्य और राष्ट्रभक्त के रूप में उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। पूज्य गुरुदेव ने मां भावती श्रीविद्या की आराधना एवं साधना परंपरा को जनमानस तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शन से अनेक साधक सनातन साधना पद्धति से जुड़े। उनके शिष्य आज भी उनके विचारों, संस्कारों और आध्यात्मिक मार्गदर्शन को अपने जीवन का आधार मानते हैं। युग भक्तों ने कहा कि पूज्य गुरुदेव देह रूप में भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, साधना, संस्कार और आशीर्वाद आज भी समाज को दिशा दे रहे हैं। सनातन धर्म, राष्ट्र सेवा, गौ-गंगा-राम और भारतीय संस्कृति के प्रति उनका समर्पण युगों तक स्मरण किया जाता रहेगा।

हरतालिका तीज पर शिव मंदिरों में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे, मौन

स्नान कर लिया संकल्प
कोतमा। सोमवार को सुहागिन महिलाओं ने सूर्योदय से पूर्व उठकर मौन स्नान किया और हरतालिका तीज पर अखंड सीमाव्य के लिए रेत से शिव-पार्वती की मूर्तियां बनाकर निर्जला दत्त आरंभ किया। व्रती महिलाओं ने घरो और मंदिरों में रेत व चिकनी मिट्टी से भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश जी की प्रतिमाएं बनाकर विधि-विधान से पूजन किया। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में सुबह से ही महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव के जयकारों के साथ शिव जी को बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित किए गए। पूजन सामग्री, श्रृंगार का सामान, फल और नए वस्त्र खरीदने के लिए नगर के बाजार में दिनभर महिलाओं की जबरदस्त भीड़ लगी रही। हरतालिका तीज के अवसर पर सोमवार को शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। सुहागिन महिलाओं ने निर्जला दत्त रखकर पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की।



राहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास

हरिभूमि

6

जय अम्बे कंपनी का काम रोकने ग्रामीणों का घेराव, चार घंटे प्रभावित रही कार्य प्रक्रिया

हर दूसरे दिन बाधा खड़ी कर रहे बिचौलिए, काम प्रभावित



लेकर अलग-अलग स्तर पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके नाम पर कार्यस्थल पर पहुंचकर काम रुकवाना अथवा कंपनी की कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप करना परियोजना की कार्य गति को प्रभावित करता है। कंपनी प्रबंधन का पक्ष है कि भर्ती किसी व्यक्ति की सिफारिश अथवा दबाव के आधार पर नहीं, बल्कि कार्य की आवश्यकता, पात्रता और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है। कंपनी को जिन लोगों की आवश्यकता होती है, उन्हें संपर्क कर बुलाया जाता है। प्रबंधन के अनुसार पूर्व में भी कुछ अभ्यर्थियों को फोन कर मौके पर बुलाया गया था, लेकिन वे निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं हुए। प्रबंधन ने स्पष्ट किया—भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता

रविवार को हुई चर्चा के दौरान ग्रामीणों की ओर से स्थानीय युवाओं को रोजगार में अवसर देने की बात प्रमुखता से रखी गई। इस पर कंपनी की ओर से स्पष्ट किया गया कि पात्र स्थानीय युवाओं को नियमानुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में कंपनी को कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि भर्ती प्रक्रिया को किसी बाहरी दबाव, सिफारिश या भीड़ के माध्यम से प्रभावित नहीं किया जा सकता। कंपनी प्रतिनिधि रजनीश मिश्रा ने ग्रामीणों को भर्ती से संबंधित स्थिति की जानकारी दी। कंपनी की ओर से आलोक त्रिपाठी सहित अन्य प्रतिनिधि भी चर्चा में मौजूद रहे। एसईसीएल की ओर से मैनेजर अर्जुन जोड़े ने भी मौके पर उपस्थित रहकर ग्रामीणों एवं कंपनी प्रबंधन के बीच बातचीत में समन्वय किया।

चार घंटे तक काम प्रभावित, फिर शुरू हुआ संचालन

ग्रामीणों के घेराव के कारण करीब चार घंटे तक कंपनी का काम प्रभावित रहा। बातचीत के दौरान कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि रोजगार से जुड़े विषयों पर चर्चा के लिए उचित माध्यम उपलब्ध है और किसी भी समस्या का समाधान बातचीत से किया जा सकता है। इसके बाद ग्रामीणों और प्रबंधन के बीच सहमति बनी तथा कार्य दोबारा शुरू कराया गया। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि रामपुर-बटुरा मेगा प्रोजेक्ट एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसमें निर्धारित समय-सीमा और सुरक्षा मानकों के अनुसार कार्य करना आवश्यक है। ऐसे में बार-बार होने वाले विरोध और कार्यस्थल पर हस्तक्षेप से न केवल कंपनी का काम प्रभावित होता है, बल्कि परियोजना की समग्र कार्यप्रगति पर भी असर पड़ सकता है।

बिचौलियों की भूमिका पर उठ रहे सवाल

रोजगार के नाम पर लगातार दबाव बनाए जाने के बीच अब इस बात पर भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या वास्तव में सभी प्रदर्शनकारी युवाओं की अपनी रोजगार संबंधी मांग है या कुछ लोग इसके पीछे मध्यस्थ की भूमिका निभाकर कंपनी की भर्ती प्रक्रिया को अपने प्रभाव में लेने का प्रयास

अंधेर नगरी में मौज काट रहे खनन कारोबारी

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कठार में इन दिनों सविधान और कानून की किरातों को धक्का बतकर अंधेर नगरी, चौपट राजा का खेल खुलेआम खेला जा रहा है। कामजों में जो खनिज पट्टा किसी और के नाम दर्ज है, धरातल पर उसकी मलाई कोई तीसरा रसूखंदर चाट रहा है। नियम-कायदे को ताक पर रखकर चलाए जा रहे इस पत्थर खदान और केशर उद्योग ने न केवल पर्यावरण की बलि चढ़ा दी है, बल्कि प्रशासनिक साख की भी धजियां उड़ाकर रख दी हैं। हद तो तब हो जाती है जब इस धांधली के खिलाफ आवाज उठाने या खबर छापने पर पत्रकारों और ग्रामीणों को झूठे मुकदमों में फंसाने की खुलेआम धमकियां दी जाती हैं।शासकीय अभिलेखों और खनिज विभाग की फाइलों की मज्ते तो ग्राम कठार स्थित खसरा नंबर 581/1 क के कुल 2.424

हेक्टेयर क्षेत्र में पत्थर खदान और केशर का प्रशासनिक स्वीकृति देवेन्द्र चतुर्वेदी के नाम दर्ज है, लेकिन धरातल की हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। जब मौके पर मिट्टी कूटने, खदान चलाने और लाखों का राजस्व बंदीबने की बात आती है, तो कमजान अतुल गुप्ता और



उनकी दबंग पलटन के हाथों में नजर आती है। क्या मध्यप्रदेश खनिज विभाग के सरकारी पट्टे अब किराए की दुकानें बन चुके हैं? मध्यप्रदेश गौण खनिज नियमों के अनुसार, बिना राक्षम विभागीय अनुमति और वैधानिक हस्तांतरण प्रक्रिया के किसी खदान या केशर का संचालन/हस्तांतरण पूरी तरह गैर-कानूनी और सख्त अपराध है। ऑफ-रिकार्ड चल रहा यह खेल प्रशासनिक साख पर करारा तमावा है। मूल पट्टाधारक कामजी कोरम पूरा करके घर बैठे हैं, जबकि अतुल गुप्ता रसूख के दम पर खदान पर अनधिकृत बादशाहत चला रहे हैं। पत्थर खदान संचालन के लिए पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा मानकों की एक लंबी फेरिस्त है, लेकिन कठार में सब कुछ राम भरोसे है। वर्ष 2021 में इस खदान को प्रशासनिक अनुमति मिली थी। नियमानुसार हर साल खदान परिसर के चारों तरफ

अनिवार्य रूप से पौधारोपण करना था। यदि 2021 से अब तक वाकई पौधे लगाए गए होते, तो आज कठार में केशर के इर्द-गिर्द अमेर्जान जैसा घना जंगल खड़ा होना चाहिए था। हकीकत यह है कि मौके पर सिर्फ धूल का गुबार और बंजर गड्ढे दिखते हैं। आखिर वे सरकारी पौधे किस अधिकारी की जेब में गायब हो गए? नियमानुसार खदान क्षेत्र के चारों तरफ पक्की घेराबंदी और चेतावनी बोर्ड लगाना अनिवार्य है, लेकिन यह क्षेत्र मौत का खुला मैदान बन चुआ है। 2.424 हेक्टेयर की तय सीमा और स्वीकृत गहराई का उल्लंघन कर ओवर-माइनिंग की जा रही है। खदान की सीमा से बाहर जाकर कितनी गहरी खुदाई हुई है, इसका कोई हिस्साब नहीं है। स्थानीय ग्राम पंचायत की एनओसी और वैधानिक स्वीकृतियों को लेकर भी गंभीर सवाल हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि केशर बिना किसी पारदर्शी अनुमति के चल रहा है। गरीबों पर लाठी, रसूखंदरों को रेड कार्पेट प्रशासन के दोहरे दरजे की हिंडलना देखिए कि अगर क्षेत्र का कोई गरीब किसान अपने खेत की मेढ़ ढुंरुस्त करने के लिए दो ट्राली मिट्टी भी खोद ले, तो खनिज विभाग उस पर रातों-रात चोरी का मामला दर्ज कर देता है।

हरतालिका तीज पर अमरकंटक में उमड़ा आस्था का सैलाब



नर्मदा तट पर महिलाओं ने लगाई श्रद्धा की डुबकी

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में हरतालिका तीज व्रत के अवसर पर सोमवार सुबह से ही श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा। सुहागिन महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए व्रत धारण कर पुण्य सलिला माँ नर्मदा के पावन तट पर पहुंचकर श्रद्धा और आस्था की डुबकी लगाई। नर्मदा उद्गम क्षेत्र में

भोर से ही धार्मिक वातावरण निर्मित हो गया और चारों ओर ‘हर-हर नर्मदे’ के जयघोष गूंजते रहे। हरतालिका तीज के पावन पर्व पर बड़ी संख्या में महिलाएँ अपने परिवार की सुख-समृद्धि, पति की दीर्घायु तथा अखंड सौभाग्य की कामना लेकर अमरकंटक पहुँचीं। प्रातःकाल महिलाओं ने नर्मदा नदी में स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नर्मदा तट पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। मान्यता है कि हरतालिका तीज के दिन माता पार्वती ने भगवान

शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तप और उपवास किया था। इसी आस्था के साथ सुहागिन महिलाएँ अपने दांपत्य जीवन की मंगलकामना तथा अविवाहित युवतियाँ मनोवांछित वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं। अमरकंटक में माँ नर्मदा के उद्गम स्थल की धार्मिक महता के कारण इस पर्व का आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। सुबह से ही नर्मदा मंदिर क्षेत्र, रामघाट सहित आसपास के प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। महिलाओं ने नर्मदा स्नान के पश्चात पूजा-अर्चना की और भगवान शिव-पार्वती का स्मरण करते हुए अपने व्रत का संकल्प लिया। कई श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुँचकर सदान-पूजन किया और परिवार के लिए सुख-शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की। हरतालिका तीज के अवसर पर अमरकंटक की आध्यात्मिक धरा पर आस्था, परंपरा और श्रद्धा का अद्भुत संगम दिखाई दिया। नर्मदा की कल-कल करती धारा और भक्तों के जयघोष के बीच तीज पर्व की धार्मिक छटा देखते ही बन रही थी। नर्मदा तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर यह प्रमाणित किया कि अमरकंटक केवल तीर्थ नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है।

हरतालिका तीज पर शिव मंदिरों में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे, मौन स्नान कर लिया संकल्प

गणेश चतुर्थी व आगामी त्यौहारों को लेकर भालूमाड़ा में शांति समिति की बैठक संपन्न

भालूमाड़ा। आगामी त्यौहारों और गणेश चतुर्थी के पावन पर्व को शांति सदभाव और भाईचारे के साथ मनाने के उद्देश्य से रविवार को भालूमाड़ा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एसडीओपी कोतमा, पसान नगर पालिका अध्यक्ष, थाना प्रभारी एवं नगर के गणमात्य नागरिक, पार्षद, पत्रकार और गणेश पूजा समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान थाना प्रभारी राधिका भगत ने उपस्थित नागरिकों व समिति सदस्यों से शांति और सद्भावना के साथ त्यौहार मनाने की अपील की उन्होंने विशेष रूप से गणेश पंडाल समितियों के अध्यक्षों को निर्देशित किया की सुरक्षा की दृष्टि से रात्रि के समय पंडालों में अनिवार्य रूप से कोई ना कोई सदस्य मौजूद रहे इसके अलावा अभिय घटनाओं से बचाव के लिए बिजली के तारों की अच्छे से जांच कर उन्हें पूरी तरह सुरक्षित रखने के कड़े निर्देश दिए साथी सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस मुख्यालय द्वारा दिए गए निर्देशों की भी जानकारी प्रदान की गई इस दौरान पसान नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने भी त्यौहार के दौरान विभिन्न वर्गों में पंडालों की मरम्मत साफ सफाई प्रकाश व्यवस्था की तैयारी को लेकर जानकारी दी साथ ही उन्होंने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी समस्त प्रतिभाओं का विसर्जन नगर पालिका द्वारा



बनाए गए विसर्जन कुंड में ही किया जाएगा साथ ही उन्होंने थाना प्रभारी एवं एसडीओपी की उपस्थिति में यह बात भी कहीं की विसर्जन के लिए समय सीमा निर्धारित की जाए जिससे अभिय घटना से बचाव हो सके उन्होंने सुझाव दिया कि दोपहर से लेकर शाम 6:00 बजे तक सभी प्रतिभाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से किया जाए अध्यक्ष द्वारा बताया गया की विसर्जन कुंड की सारी व्यवस्था नगर पालिका द्वारा कराई जाती है और उसकी देखरेख के लिए

शांतिपूर्ण और सुरक्षात्मक तरीके से प्रतिभाओं का विसर्जन कुंड में हो इसके लिए नगर पालिका के कर्मचारी पूरे समय तक मौजूद रहते हैं आपने भी नगर वासियों से पूजा समिति के सदस्यों से नगर में शांति भाईचारे की ध्यान में रखते हुए अपने उत्सव मनाने की अपील की बैठक में उपस्थित एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य ने उपस्थित जनों से आने वाले समस्त त्यौहार शांति भाईचारे के साथ मनाने की अपील करते हुए उन्होंने

क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना की बात कही साथ ही बताया गया कि पंडालों में रात्रि 10:00 बजे के बाद डीजे बजाना प्रतिबंधित है समस्त पूजा समितियों से विद्युत कनेक्शन की अनुमति लेकर ही उपयोग करें ,पंडालों में पूजा आरती दर्शन के लिए महिलाओं बच्चियों के लिए अलग से व्यवस्था कराई जाए, सुरक्षा की दृष्टि से कोई भी संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें बैठक में उपस्थित भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह सहित अनेक सदस्यों ने डीजे बजाने पर रोक लगाने की बात कही सदस्यों का कहना था की पूजा पंडालों में पूजा के बाद अनेक स्थानों पर अश्लील गाने बजाए जाते हैं विसर्जन के दौरान युवक नशे की हालत में तेज ध्वनि से अश्लील गानों के साथ डीजे बजाकर विसर्जन के लिए निकलते हैं जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। साथ ही साथ नगर के मुख्य गली चौराहों में वाहन चालकों द्वारा सड़क पर गाड़ी खड़ी करने से भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है नगर के अनेक सार्वजनिक स्थान खेल मैदान सामुदायिक भवन जैसे स्थानों पर देर शाम से रासबियाँ का जमावड़ा होता है जिस पर एसडीओपी मैटम से लोगों ने कार्यवाही की मांग की इस संबंध में एसडीओपी आरती शाक्य ने थाना

प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा की नगर में जो भी आसामाजिक तत्व हैं उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया की पूजा पंडालों में अश्लील गाने ना बजाना जाए और विसर्जन के दौरान पुलिस इस बात की निगरानी करेगी की डीजे में अश्लील गाने ना बजे और डीजे के आवाज पर भी निगरानी रखी जाए इसके लिए समस्त पूजा समितियों के सदस्यों को एक बार पुनः बुलाकर उनके साथ बैठक कर निर्देशित किया जाएगा जिससे गणेश उत्सव एवं अन्य त्यौहार राजेश सिंह, विधायक प्रतिनिधि उदय राज सिंह, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, पार्षद अब्दुल कलाम, इंद्रलाल केवट, दीपक सिंह, नवनि्युक्त एल्डरमैन यादवेंद्र सिंह, दिलीप झा, जन्माननय दुबे, भाजपा मंडल महामंत्री अजय यादव, बदरा सरपंच शिवभान सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता उमेश मिश्रा, केसर अली, विकास जायसवाल, सूर्य प्रकाश लोधी, कुंवर सिंह सहित पूजा समितियों के सदस्य पत्रकार उपस्थित रहे।



खबर संक्षेप

राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत आज आयोजित की जाएगी विभिन्न गवधियां

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत 15 सितंबर को आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताजा एवं विविधता पूर्ण पका हुआ भोजन अंतर्गत साप्ताहिक मैन्यू रोटेशन , गमं पका हुआ भोजन के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होने कहा है कि बच्चो के बीच टेस्ट और रूचि बढ़ाने के लिए पूरे हफ्ते एचसीएम के मेन्यू में स्थानीय उपलब्धता अनुसार परिवर्तन को बढ़ावा दें, साथ ही अलग-अलग फूड ग्रुप से भोजन को शामिल करें। हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी विषय पर पंचायत/स्वयं सहायता समूहों, समुदाय से संवाद, पहले 1,000 दिनों में पोषण एवं परामर्श, शिशु दिवस , अन्नप्राशन दिवस का आयोजन कर 03 वर्ष के बच्चों के अभिभावकों के साथ नवचेतन आधारित गतिविधियाँ/ परामर्श , चिन्हित 6 माह से 60 माह के सैम बच्चो की भूख की जाँच कर फेल हुए बच्चो को एनआरसी में भर्ती कराना, पीएमएफकीवाय अंतर्गत निजी एवं सरकारी अस्पताल का भ्रमण कर पात्र हितग्राही का पोर्टल पर पंजीयन करना, गणेश पंडड़लों के माध्यम से स्थानीय खाद्य विविधता आधारित पोषण प्रसादी का वितरण, जन्म से 6 वर्ष के बच्चों का शारीरिक माप करो पोषण ट्रेकर में प्रविष्टि गतिविधि आयोजित की जाएगी।

लोक अदालत में 24 लाख से अधिक की राशि हुई जमा

स्लीमनाबाद। लोक अदालत विद्युत बिल बकायादारों के लिए राहत भरी रही है। लम्बे समय से बकाया चल रहे बिजली बिल की राशि के प्रकरण लोक अदालत आपसी समझौते से निराकृत हुए। स्लीमनाबाद विद्युत सब डिवीजन के 167 उपभोक्ताओं से 24 लाख से अधिक की राशि जमा हुई। सहायक अभियंता दिलदार डायर ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत में स्लीमनाबाद विद्युत उपसंपाग अंतर्गत आने वाले 5 वितरण केंद्रों में 167 उपभोक्ताओं से 24 लाख 30 हजार की राशि जमा हुई जिसमें विद्युत वितरण केंद्र स्लीमनाबाद से 72 उपभोक्ताओं से 15 लाख 19 हजार,बहरीबंद से 25 उपभोक्ताओं से 2 लाख 56 हजार,बाकल से 36 उपभोक्ताओं से 4 लाख 12 हजार रुपये,बचैया से 8 उपभोक्ताओं से 8न. 31 लाख रुपये और तेवरी से 26 उपभोक्ताओं से 2 लाख 12 हजार रुपये की राशि जमा हुई। विद्युत अधिनियम एवं बिजली चोरी प्रकरणों में समझौता के तहत छुट पाकर जमा राशि की गई। उपभोक्ताओं द्वारा धारा 135 प्रकरण में 30 फीसदी की छुट एवं ब्याज में पूरी राशि छुट,धारा 126 प्रकरण में 20 फीसदी की छुट एवं ब्याज में पूरी राशि छुट मिली। लोक अदालत में घरेलू उपभोक्ताओं 5 किलोवाट एवं गैर घरेलू औद्योगिक उपभोक्ताओं को 10 एचपी का लाभ मिला।

जालसाज ने खाते से पार किये रुपये, जांच में जुटी पुलिस

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत झिंझरी में एक व्यक्ति के बैंक खाते से अज्ञात ठग ने बड़ी चालाकी से रकम उड़ा ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार झिंझरी निवासी 41 वर्षीय सुखदेव प्रसाद पटेल 9 सितंबर की शाम करीब 04:30 बजे अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान अज्ञात शातिर ठग ने धोखाधड़ी की नीयत से उनके बैंक खाते में सेंध लगा दी और खाते से पैसे उड़ा लिए। जब पीड़ित के मोबाइल पर खाते से राशि कटने (डेबिट) का मैसेज आया, तब जाकर उन्हें इस ठगी का पता चला। खाते से अचानक बिना किसी लैन-टैन के पैसे कटने पर पीड़ित ने तत्काल बैंक और पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद पड़ित सुखदेव प्रसाद पटेल ने 12 सितंबर को दोपहर माधवनगर थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई।

टीईटी से शिक्षकों को मुक्त करने की मांग भटिया मंदिर में शिक्षकों ने लगाई अर्जी

अमलाई।

टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता से वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को मुक्त करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर पीएमयूएमएस शिक्षक संघ शहडोल के तत्वावधान में रविवार को भठिया स्थित सिंहवाहिनी माता मंदिर में विशेष प्रार्थना सभा एवं अर्जी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 500 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।प्रांतीय आह्वान पर दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया तथा शिक्षक हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद सभी शिक्षकों ने एकजुट होकर सिंहवाहिनी माता के समक्ष टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अर्जी लगाई और शासन से न्यायपूर्ण निर्णय की कामना की।पीएमयूएमएस शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष शारदा प्रसाद सिंह ने कहा कि लंबे समय से शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे शिक्षकों के अनुभव, सेवा अवधि एवं शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुए उन्हें टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता से मुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की अन्य प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन योजना लागू करना, केंद्र के समान वेतनमान, वास्तविक नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता की गणना, नियुक्ति के प्रथम दिन से शत-प्रतिशत वेतनमान तथा परिवीक्षा



अवधि दो वर्ष किए जाने की मांग शामिल है।कार्यक्रम के दौरान शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत शिक्षकों को संगठन से जुड़ने, पंजीयन कराने तथा शिक्षक हित के मुद्दों पर नियमित रूप से सहयोग करने की जानकारी भी दी गई। इसके

साथ ही शिक्षकों ने शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से माध्यमिक शाला से न्याय यात्रा प्रारंभ कर भठिया स्थित सिंहवाहिनी माता मंदिर पहुंचकर अपनी मांगों के समर्थन में अर्जी लगाई।जिला प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों

और न्यायसंगत मांगों को लेकर लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने शिक्षकों से एकजुट रहकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज शासन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वहीं शेषमणि सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों की मांगों न्यायसंगत हैं। शासन

से अपेक्षा है कि शिक्षक हित में सकारात्मक निर्णय लेते हुए वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त किया जाए। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना लागू करने, नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता प्रदान करने, उपदान एवं सेवानिवृत्ति संबंधी लाभ देने की मांग भी रखी।कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला कोषाध्यक्ष शारदा प्रसाद सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की एकजुटता ही उनकी मांगों को मजबूती प्रदान करेगी। कार्यक्रम में जिला प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ प्रभारी रमेश कुमार कुशवाहा, कोषाध्यक्ष शारदा प्रसाद सिंह, सचिव नागेंद्र कुमार पांडेय, जिला सहसचिव भुवनेश्वर पांडेय, सोहागपुर ब्लॉक अध्यक्ष आलोक कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष दीपक द्विवेदी, बुढार ब्लॉक प्रभारी आदित्य कुमार मिश्रा, बुढार ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी, जैतपुर तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह करचूली सहित जमुना पटेल, राकेश वर्मा, भूषणदास कुशवाहा, शंकर सिंह, शेषमणि सिंह, कृष्णकुमार खांडेकर, मुन्नालाल, चंद्रिका सिंह, ओमप्रकाश शर्मा सहित पांच सौ से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं मातृशक्तियां उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की जानकारी पीएमयूएमएस के जिला महामंत्री नागेंद्र दुबे ने दी। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने एकजुटता का संकल्प लेते हुए कहा कि शिक्षक हित की मांगों को लेकर उनका संघर्ष शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा।

सौंदर्यीकरण के नाम पर सड़क चौड़ीकरण, पान ठेले-गुमटियां हटाईं

धनपुरी नंबर-3 रोड पर नगर पालिका की कार्रवाई, 30—40 लोगों को नोटिस दिए जाने की चर्चाधनपुरी। नगर पालिका धनपुरी द्वारा शहर में सड़क चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण की कवायद के तहत धनपुरी नंबर-3 रोड के आसपास कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सड़क किनारे लंबे समय से संचालित पान ठेले, गुमटियों सहित अन्य छोटे व्यवसायिक ठिकानों को हटया गया है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में दुकानदारों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।बताया जाता है कि नगर पालिका द्वारा सड़क चौड़ीकरण की जद में आने वाले करीब 30 से 40 लोगों को नोटिस दिए गए हैं। इनमें सड़क किनारे ठेला, गुमटी अथवा छोटी दुकान लगाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले लोग भी शामिल हैं। नगर पालिका की कार्रवाई को शहर के सौंदर्यीकरण और यातायात व्यवस्था सुधारने की दिशा में उठाया गया कदम बताया जा रहा है।रोजगार छिन्नने की चिंताकार्रवाई के बाद प्रभावित दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा होने की चिंता भी सामने

आ रही है। उनका कहना है कि वर्षों से सड़क किनारे छोटा व्यवसाय कर परिवार चला रहे हैं। यदि सड़क चौड़ीकरण के लिए दुकानें हटाई जाती हैं तो नगर पालिका को पहले वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने अथवा पुनर्व्यवस्थित करने की व्यवस्था करनी चाहिए।चौड़ी सड़क के साथ व्यवस्थित पुनर्वास की मांगस्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में सड़क चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण जरूरी है, लेकिन इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिससे आम लोगों और छोटे कारोबारियों को अनावश्यक परेशानी न हो। उनका कहना है कि यदि अतिक्रमण हटाकर सड़क का विस्तार किया जा रहा है तो भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न हो, इसके लिए भी स्थायी व्यवस्था की जरूरत है।नगर पालिका की इस कार्रवाई से अब यह सवाल भी उठ रहा है कि सड़क चौड़ीकरण की पूरी योजना क्या है, कितने निर्माण इसकी जद में आएंगे और प्रभावित दुकानदारों के लिए क्या व्यवस्था की जाएगी।क्षेत्र के लोगों की नजर अब नगर पालिका की आगामी कार्रवाई पर बनी हुई है।

प्राचार्य दीपक पाण्डेय को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए किया गया पुरस्कृत



कोतमा। सांदीपनि विद्यालय कुहका खोडरी के प्राचार्य दीपक पाण्डेय को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए जिला स्तरीय सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया गया। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए सभी शिक्षकों के प्रयास की प्राचार्य दीपक पाण्डेय द्वारा प्रशंसा की गई उन्होंने कहा कि विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत से ही अच्छा परीक्षा परिणाम

संभव होता है। जिला स्तरीय सम्मान समारोह में जिला पंचायत अनूपपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री अर्चना कुमारी और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक के द्वारा पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम आयोजन में जिले के जिला शिक्षा अधिकारी अमोल जी, सहायक संचालक एडीपीसी देवेश सिंह, राजेश पटेल,

अनूपपुर।

शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर में रविवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएं देने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों को शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा-2026 में शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले प्राचार्यों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह प्रदान किए गए। साथ ही शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मास्टर ट्रेनरों डॉ. नरेंद्र पटेल, डॉ. अंजली सिंह, आरपी सोनी, वीरेंद्र सिंह, हेतराम साहू एवं संतोष कुमार



साहू सहित अन्य को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण

करता है। सेवानिवृत्त शिक्षकों का अनुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संचालक शिक्षा ने भी सम्मानित शिक्षकों, प्राचार्यों और

मास्टर ट्रेनरों को बधाई दी। इस अवसर पर शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, प्राचार्य, शिक्षक और सेवानिवृत्त शिक्षक उपस्थित रहे।

अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

अवैध कारोबार पर रखें पैनी नजर, गंभीर मामलों में तह तक पहुंचकर करें कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डीएसपी हेडक्वार्टर, एसडीओपी स्लीमनाबाद सहित शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे। एसपी ने थाना क्षेत्रों में अपराध की स्थिति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में दर्ज एवं लंबित अपराध, मर्ग, गुप्त ईसान, नाबालिगों की दस्तयाबी, संपत्ति संबंधी अपराध, लघु अधिनियम के प्रकरण, शिक्षा



न्यायालयीन समस-वारंट की तामीली तथा धारा 173(8) एवं 299 के तहत फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की स्थिति की समीक्षा की गई। एसपी ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग कर समयबद्ध तरीके

से कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए।त्योहारों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का रोडमैप तैयार करने के निर्देशआगामी गणेश चतुर्थी, गणेश विसर्जन, नवरात्रि, दुर्गा विसर्जन, दशहरा और दीपावली को देखते हुए पुलिस फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश

तैयारियां पूरी करने को कहा। उन्होंने थाना प्रभारियों को संबंधित समितियों की जानकारी जुटाने, प्रतिमा पंडालों, जुलूस मार्गों, विसर्जन स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर आवश्यक पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सागर जिले में जहरीली शराब की घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने कटनी जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल अवैध शराब जब्त करने तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि इसके स्रोत और पूरे नेटवर्क का पता लगाकर संबंधित लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। एसपी ने पुराने लंबित अपराधों की समीक्षा करते हुए फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश

पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने अधिकारियों को दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

आज 14 सितम्बर को गणेश चतुर्थी पर प्रतिमा स्थापना तथा 25 सितम्बर को गणेश अनंत चतुर्दशी पर प्रतिमा विसर्जन के दौरान जिले में शांति, कानून व्यवस्था, यातायात, विद्युत, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी व्यापक तैयारियां सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशोष तिवारी ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को गणेश उत्सव के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।14 सितम्बर को गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी, जबकि 25 सितम्बर को सार्यकाल महाआरती के बाद शाम 7 बजे से प्रतिमा विसर्जन एवं चल समारोह प्रारंभ होगा। जिला मुख्यालय पर चल समारोह का मार्ग पूर्व वर्षों के अनुसार गणेश चौक, मछई मंदिर, हनुमान मंदिर, सुभाष चौक, झंडा बाजार, शेर चौक, आजाद चौक होते हुए निर्धारित विसर्जन स्थल तक रहेगा। बड़ी एवं

छोटी प्रतिमाओं को सीधे मोहन घाट एवं गाटर घाट में निर्मित बड़े विसर्जन जलकुंडों में विसर्जन के लिए ले जाया जाएगा। नगर निगम को मोहन घाट एवं गाटर घाट में बड़े विसर्जन जलकुंड तैयार कराने के साथ ही पीरवाबा नदी, बाबाघाट नदी एवं पूर्व में चिन्हित विसर्जन स्थलों पर भी आवश्यक जलकुंड बनाने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी शासन के निर्देशानुसार विसर्जन कुंड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। नागरिकों से अपील की जाएगी कि प्रतिमाओं का विसर्जन केवल निर्धारित जलकुंडों में ही करें। नदी, नाला अथवा तालाब में प्रतिमा विसर्जन नहीं किया जाएगा। पूर्व वर्ष की तरह कटाएघाट एवं अमीरगंज सहित अन्य प्रतिबंधित स्थानों पर विसर्जन नहीं किया जा सकेगा। घरों में स्थापित छोटी गणेश प्रतिमाओं के विधवाजनक विसर्जन के लिए नगर निगम द्वारा दो-तीन वाहनों के बीच सुरसजित चलित विसर्जन वाहन एवं चलित कुंड की व्यवस्था की जाएगी।

ख़बर संक्षेप

9 साल बाद टूटा सांसद हिमाद्री सिंह और नरेंद्र मरावी का वैवाहिक रिश्ता

अनूपपुर। शहडोल लोकसभा क्षेत्र की भाजपा सांसद हिमाद्री सिंह और पूर्व भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह मरावी का वैवाहिक रिश्ता करीब नौ साल बाद कानूनी रूप से समाप्त हो गया। अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम स्थित जिला न्यायालय ने दोनों की पारस्परिक सहमति से विवाह विच्छेद की डिक्री पारित की है। न्यायालय ने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 13-बी के तहत यह डिक्री 3 सितंबर 2026 को जारी की। दोनों का विवाह 23 नवंबर 2017 को राजेंद्रग्राम में हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। वैवाहिक जीवन में आपसी मतभेद के बाद दोनों 5 मई 2021 से अलग-अलग रह रहे थे। न्यायालय में प्रस्तुत सहमति के आधार पर दोनों ने विवाह संबंध समाप्त करने की इच्छा जताई। नियमानुसार न्यायालय ने सुलह की संभावना को देखते हुए छह माह की अवधि भी दी, लेकिन इस दौरान दोनों के बीच साथ रहने की स्थिति नहीं बन सकी। हिमाद्री सिंह और नरेंद्र सिंह मरावी की एक बेटी मिहिरा सिंह है, जिसका जन्म 20 जून 2019 को हुआ था। न्यायालय के समक्ष तय सहमति के अनुसार बेटी की अभिरक्षा हिमाद्री सिंह के पास रहेगी। बेटी के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य से संबंधित खर्चों की जिम्मेदारी भी हिमाद्री सिंह स्वयं उठाएंगी। अदालती कार्यवाही के दौरान हिमाद्री सिंह ने अपने अथवा बेटी के लिए नरेंद्र मरावी से किसी प्रकार का गुजारा भत्ता लेने से इनकार किया।

गणेश चतुर्थी विशेष



अनूपपुर। राजेंद्रग्राम-अमरकंटक मार्ग पर राजेंद्रग्राम से करीब 10 किलोमीटर दक्षिण दिशा में धरहरकला गांव स्थित है। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे इस क्षेत्र में भगवान गणेश की एक ऐसी प्राचीन प्रतिमा विराजमान है, जिसका स्वरूप सामान्य गणेश प्रतिमाओं से अलग दिखाई देता है। बाल स्वरूप में विराजित इस प्रतिमा को स्थानीय श्रद्धालु श्री सिद्ध बटुक गणेश के नाम से जानते हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ती है और दूर-दूर से लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

धरहरकला के स्वयंमू बटुक गणेश बाल स्वरूप में विराजे हैं सिद्धि विनायक

सामान्य गणेश प्रतिमाओं से अलग है स्वरूप, हाथ में पात्र और जनेऊ बनी विशेष पहचान

दिगुज स्वरूप और हाथ में पात्र

धरहरकला के गणेशजी की प्रतिमा की सबसे बड़ी विशेषता उनका बाल स्वरूप है। सामान्यतः चतुर्भुज स्वरूप में दिखाई देने वाले भगवान गणेश की यह प्रतिमा द्विभुज है। प्रतिमा के बाएं हाथ में कटोरे अथवा पात्र जैसी आकृति दिखाई देती है। इसी विशेषता के कारण इन्हें बटुक गणेश कहा जाता है। स्थानीय परंपराओं और जनश्रुतियों में इस स्वरूप को गणेशजी के विद्यार्थी अथवा बटुक स्वरूप से जोड़ा जाता है। प्रतिमा पर जनेऊ भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्थानीय वरिष्ठ पत्रकार एवं राजेंद्रग्राम निवासी आशुतोष सिंह दीक्षित के अनुसार, प्राचीन परंपरा में उपनयन संस्कार के बाद बटुक को शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजे जाने की परंपरा रही है, जिसमें पात्र अथवा भिक्षापात्र का विशेष संदर्भ मिलता है। इसे विद्या, विनय, संयम और ब्रह्मचर्य के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है।

कल्चुरीकालीन प्रतिमा होने की मान्यता

पुरातत्व विभाग की जानकारी के अनुसार धरहरकला स्थित गणेश प्रतिमा धार्मिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसे कल्चुरीकालीन प्रतिमा माना जाता है। मंदिर परिसर और आसपास आज भी प्राचीन काल के कई अवशेष बिखरे हुए हैं, जो इस क्षेत्र की

कल्चुरीकालीन धरोहर से जुड़ी है मान्यता

ऐतिहासिक समृद्धि की ओर संकेत करते हैं। स्थानीय मान्यता है कि गणेशजी की प्रतिमा का आकार समय के साथ बढ़ रहा है। हालांकि प्रतिमा के प्रतिवर्ष बढ़ने की बात की पुरातात्विक या वैज्ञानिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है, लेकिन स्थानीय लोगों के बीच यह मान्यता लंबे समय से चर्चा का विषय रही है।

आसपास बिखरी हैं प्राचीन धरोहरें

धरहरकला का यह क्षेत्र केवल गणेश मंदिर के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है। आसपास कल्चुरीकालीन शिव, ब्रह्मा और विष्णु की प्राचीन प्रतिमाएं तथा गौरी कुंड भी मौजूद हैं। प्राचीन शिव मंदिर और स्वयंभू गणेश मंदिर क्षेत्र पुरातात्विक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। मंदिर के समीप एक प्राचीन शिवालय का भग्नावशेष है, जिसे स्थानीय स्तर पर कुछ लोग सूर्य मंदिर के रूप में भी पहचानते हैं। इसके पश्चिम दिशा में कुछ दूरी पर प्राकृतिक झरना भी है।

अमरकंटक जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र

धरहरकला स्थित गणेश मंदिर को लेकर स्थानीय धार्मिक मान्यता भी काफी मजबूत है। मां नर्मदा के

उद्गम स्थल अमरकंटक के उत्तर दिशा में स्थित होने के कारण श्रद्धालुओं के बीच यह मान्यता है कि अमरकंटक में मां नर्मदा और जलेश्वरधाम में भगवान शिव के दर्शन से पहले धरहरधाम के श्री गणेशजी के दर्शन किए जाने चाहिए। मनोकामना सिद्धि के लिए भी यह स्थान श्रद्धालुओं के बीच विशेष आस्था का केंद्र है।

प्रतिमा को स्थानांतरित करने की कोशिश की जनश्रुति

धरहर गणेश की प्रतिमा को लेकर एक जनश्रुति यह भी प्रचलित है कि प्राचीन समय में कुछ लोगों ने इसकी विशेषताओं को देखते हुए प्रतिमा को यहां से अन्यत्र ले जाने का प्रयास किया था, लेकिन उनके सभी प्रयास विफल रहे। इसी कारण स्थानीय लोगों की आस्था इस प्रतिमा के प्रति और गहरी हुई है। हालांकि इस घटना की स्वतंत्र ऐतिहासिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

विकास के साथ धरोहर संरक्षण की जरूरत

समय के साथ धरहर गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। इसी को देखते हुए मंदिर को नया स्वरूप दिया गया है और आसपास कुछ पक्के

निर्माण भी हुए हैं। वर्ष में यहां मेले का आयोजन भी होता है। मुख्य मार्ग से करीब 500 मीटर अंदर प्राकृतिक रूप से सुरम्य इस स्थल पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुविधाओं की आवश्यकता है, लेकिन इसके साथ ही प्राचीन धरोहर और प्राकृतिक स्वरूप का संरक्षण भी जरूरी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर परिसर और आसपास अनियंत्रित पक्के निर्माण एवं अतिक्रमण पर रोक लगाई जानी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल की मौलिकता को देख सकें। पंचायत और संबंधित विभागों को विकास कार्यों के साथ धरोहर संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

प्रकृति और आस्था का संगम

धरहरकला का यह क्षेत्र श्रद्धा के साथ प्रकृति का भी अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। प्राचीन प्रतिमाओं, मंदिर अवशेषों, गौरी कुंड और प्राकृतिक झरने के बीच स्थित बटुक गणेश मंदिर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव भी कराता है। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं से यही अपेक्षा है कि वे भगवान गणेश के दर्शन के साथ इस प्राचीन धरोहर की पवित्रता, स्वच्छता और प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखने में भी सहयोग करें।

सचिव बदला, प्रभार बदला... फिर भी खाली होता रहा पंचायत का खाता

20 दिन नए सचिव के प्रभार में भी निकलते रहे लाखों चोलना पंचायत में 94.18 लाख के कथित गबन का मामला, ईओडब्ल्यू से कलेक्टर तक शिकायत

तबादले के 43 दिन बाद भी पुराने सचिव से आहरण!

अनूपपुर। सरकारी पंचायतों में डिजिटल भुगतान और निगरानी व्यवस्था कितनी सुरक्षित है, ग्राम पंचायत चोलना का मामला इस पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। जनपद पंचायत जैतहरी की ग्राम पंचायत चोलना में 94 लाख 18 हजार 664 रुपये के कथित गबन की शिकायत सामने आई है। शिकायतकर्ताओं अधिवक्ता ललित नारायण एवं गणेश सिंह ने आरोप लगाया है कि तत्कालीन सचिव रमाकांत तिवारी का 15 जून को तबादला और भारमुक्ति होने तथा 8 जुलाई को नए सचिव को पंचायत का प्रभार सौंपे जाने के बाद भी पुराने सचिव से जुड़े वित्तीय आहरण जारी रहे। शिकायत के मुताबिक 13 मई से 28 जुलाई 2026 के बीच पंचायत खाते से 94.18 लाख रुपये निकाले गए। इनमें सबसे बड़ा सवाल 28 जुलाई के लेनदेन को लेकर है, जब 15वें वित्त आयोग की टाइट और अनटाइट मदों से विभिन्न वाउचरों के जरिए एक ही दिन में 28 लाख 17 हजार 425 रुपये आहरित किए जाने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जिन कार्यों के नाम पर भुगतान किया गया, उनमें कई मौके पर शुरू ही नहीं हुए, जबकि कुछ कार्य अधूरे पड़े हैं।

तबादले के बाद भी पुराने सचिव की वित्तीय पहुंच कैसे?

शिकायत में बताया गया है कि रमाकांत तिवारी का 15 जून को ग्राम पंचायत टकहूली के लिए स्थानांतरण किया गया था। इसके बाद 8 जुलाई को लपटा पंचायत के सचिव छक्केलाल राठौर को चोलना का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। ऐसे में शिकायतकर्ताओं ने सवाल उठाया है कि नए सचिव के पदभार संभालने के बाद भी पुराने सचिव से जुड़े भुगतान कैसे होते



रहे? डिजिटल हस्ताक्षर और ई-पंचायत प्रणाली में वित्तीय अधिकारों को लेकर भी जांच की मांग की गई है।

28 जुलाई को एक दिन में 28.17 लाख का आहरण

ई-ग्राम स्वराज और ई-पंचायत संबंधी दस्तावेजों का हवाला देते हुए शिकायत में कहा गया है कि 28 जुलाई को विभिन्न वाउचरों के माध्यम से 28,17,425 रुपये निकाले गए। आरोप है कि इन भुगतानों के पीछे दिखाए गए कार्यों का मौके पर अपेक्षित निर्माण नहीं हुआ। यदि दस्तावेज और स्थूल सत्यापन में यह दावा सही पाया जाता है तो मामला पंचायत की सामान्य वित्तीय अनियमितता से कहीं आगे जा सकता है।

बिना उपयंत्री के मूल्यांकन भुगतान का आरोप

शिकायतकर्ताओं ने पंचायत दर्पण पोर्टल पर अपलोड बिल-वाउचरों की तकनीकी जांच की मांग की है। आरोप है कि कई बिलों में कार्य का स्पष्ट विवरण और आवश्यक हस्ताक्षर नहीं हैं। इसके अलावा कार्यों का भौतिक सत्यापन और तकनीकी



मूल्यांकन कराए बिना राशि का भुगतान किए जाने का दावा किया गया है। अब जांच में यह स्पष्ट होना है कि भुगतान से पहले नियमानुसार कार्यों का मूल्यांकन हुआ था या नहीं।

ईओडब्ल्यू तक पहुंची शिकायत, 94.18 लाख की वसूली की मांग

मामले की शिकायत कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू), भोपाल को भेजी गई है। शिकायतकर्ताओं ने 13 मई से 28 जुलाई तक के सभी वित्तीय लेनदेन का विशेष ऑडिट, दस्तावेजों की जांच, निर्माण कार्यों का स्थूल सत्यापन और तकनीकी मूल्यांकन कराने की मांग की है। साथ ही दोष सिद्ध होने पर संबंधितों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर राशि की वसूली की मांग की गई है।

ग्रामीण पूछ रहे-विकास के पैसे गए कहा?

चोलना पंचायत में पेयजल, प्रकाश, नाली और सड़क जैसे मूलभूत कार्यों के लिए आने वाली राशि के उपयोग को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बताई जा रही है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि लाखों रुपये वास्तव में ऐसे कार्यों पर खर्च हुए हैं तो मौके पर उनका असर दिखाई देना चाहिए। अब निगाहें प्रशासन की जांच पर हैं कि 94.18 लाख रुपये के आहरण में नियमों का पालन हुआ या सरकारी धन के साथ गंभीर वित्तीय अनियमितता हुई।

अनूपपुर।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा को जन-जन तक पहुंचाने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान की संपूर्ण जानकारी को साझा करने के लिए 14 सितंबर 2026 को भाजपा कार्यालय अनूपपुर में मध्य प्रदेश भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयसिंहनगर की विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम तथा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह की उपस्थिति में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि अभियान की शुरुआत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर को ‘सेवा दिवस’ के रूप में की जाएगी। इस अवसर पर कर्तदान शिविर सहित विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रदेश के सभी बूथों पर शाम 7 बजे ‘आशीर्वाद का दिया’ कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। इसके साथ ही 2 अक्टूबर को प्रदेशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत ‘नामो सेवा-अनकही कहानियां’ के माध्यम से प्रधानमंत्री के जनकल्याणकारी कार्यों और योजनाओं से आए बदलावों को नुकड़ नाटक एवं सांस्कृतिक



प्रस्तुतियों के जरिए गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। वहीं ‘आंगन मिलन सेवा’ के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों और उनकी माताओं के साथ कार्यक्रम आयोजित कर पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी 11,404 शक्ति केंद्रों पर ‘सेवा की कहानी’ कार्यक्रम के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित नागरिकों की वास्तविक सफलता की कहानियां सामने लाई जाएंगी। प्रत्येक शक्ति केंद्र से कम से कम 10 कहानियां तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा की जाएंगी। सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प के तहत 7 अक्टूबर को विभिन्न गांवों और क्षेत्रों को जोड़ते हुए पदयात्रा, साइकिल रैली और बाइक रैली आयोजित होंगी। यात्रा के समापन पर सामूहिक रूप से विकसित भारत-2047 का संकल्प लिया जाएगा। वहीं ‘नर्मदा यात्रा’ के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जल लेकर वाराणसी पहुंचकर काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। भाजपा जिला

अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने बताया कि अभियान में ‘सेवा मेरा योगदान’ के तहत प्रत्येक कार्यकर्ता समाजसेवा में अपना योगदान देना नागरिक भी न्यूनतम 25 मिनट श्रमदान कर अभियान में सहभागिता कर सकेंगे। इसके अलावा विधानसभा क्षेत्रों में ‘सेवा सेतु अभियान’ के माध्यम से पात्र हिताहितियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने तथा योजनाओं से संबंधित जानकारी और आवेदन प्रक्रिया से सहायता की जाएगी। अभियान के अंतर्गत ‘सेवा के रंग राष्ट्र के संग’, ‘सेवा फस्ट इनोवेशन चैलेंज’ सहित विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। युवाओं, विद्यार्थियों, स्टार्टअप और इनोवेटर्स को जोड़कर नवाचार को प्रोत्साहित किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा भावना, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के साथ नागरिकों को विकसित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनाया जाएगा।

डॉक्टरों की प्राइवेट प्रैक्टिस पर डिप्टी सीएम की सख्ती का अनिल गुप्ता ने किया स्वागत

अनिल गुप्ता बोले-सीएमएचओ को कई बार कराया अवगत, अब प्रभावी कार्रवाई की उम्मीद

अनूपपुर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरकारी अस्पतालों में पदस्थ चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस और इयूटी के दौरान गैरमौजूदगी को लेकर अपनाए जा रहे सख्त रुख का पूर्व विध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में चिकित्सकों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी तथा मरीजों को सरकारी संस्थानों में ही बेहतर और समय पर उपचार मिल सकेगा। अनिल गुप्ता ने कहा कि सरकारी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में पदस्थ चिकित्सकों पर शासन ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निर्धारित की हैं। चिकित्सकों का दायित्व केवल औपेक्षीय में मरीजों की जांच करने तक सीमित नहीं है। उन्हें ऑपरेशन थिएटर, वार्ड राउंड, आपातकालीन सेवाओं, यूनिट की जिम्मेदारियों, मेडिकल विद्यार्थियों की कक्षाओं तथा पीजी छात्रों के प्रशिक्षण और अध्ययन जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी करने होते हैं। ऐसे में यदि कोई चिकित्सक निर्धारित समय पर अपने संस्थान में उपलब्ध नहीं रहता है तो इसका सीधा असर मरीजों के उपचार के साथ-साथ चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण व्यवस्था पर पड़ता है।

जैतहरी के मामले की जांच की मांग

अनिल गुप्ता ने अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में संविदा चिकित्सक डॉ. स्वरोज दास से संबंधित शिकायतों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारी आवास अथवा बंगला में निजी तौर पर मरीजों का उपचार किए जाने की शिकायतें उनके सद्गान में आई हैं। इस संबंध में उनके द्वारा अनूपपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को कई बार पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है और मामले में प्रभावी कार्रवाई की

मांग की गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में रहते हुए यदि कोई चिकित्सक सरकारी आवास, सरकारी संसाधन अथवा पद का उपयोग निजी चिकित्सा गतिविधियों के लिए करता है तो इसकी जांच संबंधित विभाग द्वारा नियमानुसार की जानी चाहिए। उनका कहना है कि किसी भी चिकित्सक को दोषी ठहराने से पहले सख्त अधिकारी द्वारा तथ्यों, दस्तावेजों और शिकायतों की निष्पक्ष जांच की जाए तथा जांच में आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

डॉक्टर की गैरमौजूदगी में मरीज देखने की शिकायत भी गंभीर

अनिल गुप्ता ने यह भी कहा कि उक्त चिकित्सक की अनुपस्थिति में उनके यहां कथित तौर पर आठवीं-दसवीं कक्षा तक पढ़े लोगों द्वारा मरीजों को देखने और उपचार किए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जांच में इस प्रकार की शिकायतें सही पाई जाती हैं तो यह बेहद गंभीर विषय है, क्योंकि चिकित्सा कार्य प्रशिक्षित एवं अधिकृत चिकित्सकीय व्यक्तियों द्वारा ही किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी मरीज की बीमारी का सही परीक्षण, दवा का निर्धारण और उपचार की प्रक्रिया विशेषज्ञ चिकित्सक की जिम्मेदारी है। बिना आवश्यक चिकित्सकीय योग्यता के किसी व्यक्ति द्वारा मरीज का उपचार किया जाना मरीज के स्वास्थ्य और जीवन के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। इसलिए ऐसी शिकायतों को केवल निजी विवाद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे जनस्वास्थ्य से जुड़े विषय के रूप में लेकर जांच की आवश्यकता है।

सरकारी आवास का उपयोग किस उद्देश्य से हो रहा, हो जांच

अनिल गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों से मांग की कि जैतहरी में सरकारी आवास में निजी उपचार की शिकायत की भी जांच कराई जाए। यह देखा जाना चाहिए कि संबंधित आवास सरकारी सेवा के

लिए आवंटित है या नहीं, वहां मरीजों को देखने की गतिविधियां संचालित होती हैं या नहीं और यदि होती हैं तो उनके लिए किसी प्रकार की अनुमति अथवा विभागीय स्वीकृति है या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकारी आवास और संसाधन जनता के धन से संचालित व्यवस्था का हिस्सा हैं। इनका उपयोग निर्धारित शासकीय दायित्वों



के अनुरूप होना चाहिए। यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित अधिकारी को निष्पक्ष जांच के बाद कार्रवाई करनी चाहिए।

डिजिटल निगरानी से बढ़ेगी चिकित्सकों की जवाबदेही

अनिल गुप्ता ने कहा कि चिकित्सकों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की डिजिटल निगरानी व्यवस्था इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। इससे यह पता लगाने में आसानी होगी कि चिकित्सक निर्धारित समय पर स्वास्थ्य संस्थान में मौजूद हैं या नहीं और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि डिजिटल अटेंडेंस, बायोमेट्रिक व्यवस्था और अन्य तकनीकी माध्यमों से उपस्थिति की निगरानी होने पर मनमानी और लापरवाही की शिकायतों पर अंकुश लगाया जा सकता है। साथ ही अस्पतालों में मरीजों को मिलने वाली सेवाओं की नियमित समीक्षा भी आवश्यक है।

मरीजों का भरोसा सरकारी अस्पतालों में बना रहना जरूरी

अनिल गुप्ता ने कहा कि सरकारी अस्पताल गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवा का सबसे महत्वपूर्ण सहारा हैं। बड़ी संख्या में लोग निजी अस्पतालों का

महंगा उपचार वहन नहीं कर सकते। ऐसे में सरकारी चिकित्सकों की उपलब्धता और गुणवत्तापूर्ण उपचार व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सक समय पर उपलब्ध नहीं होंगे या मरीजों को उपचार के लिए निजी संस्थानों की ओर जाना पड़ेगा तो इससे आम जनता का सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होगा। इसलिए शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों की उपस्थिति, सेवाओं की गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

शिकायतों पर अब ठोस कार्रवाई की उम्मीद

अनिल गुप्ता ने कहा कि उन्होंने जैतहरी से संबंधित शिकायतों के संबंध में पूर्व में भी सीएमएचओ को पत्राचार के माध्यम से जानकारी दी है। अब जब शासन स्तर से डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस और इयूटी में लापरवाही को लेकर सख्ती की बात सामने आ रही है, तो उन्हें उम्मीद है कि स्थानीय स्तर पर भी शिकायतों की गंभीरता से जांच होगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना और मरीजों के हितों की रक्षा करना है। यदि किसी शिकायत में तथ्य नहीं हैं तो जांच के बाद रिपोर्ट स्पष्ट होनी चाहिए और यदि शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित नियमों के तहत जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की कि सरकारी चिकित्सकों की इयूटी, निजी प्रैक्टिस, सरकारी आवास के उपयोग तथा चिकित्सकीय योग्यता के बिना मरीजों का उपचार किए जाने जैसी शिकायतों की नियमित निगरानी की जाए। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता आएगी, बल्कि मरीजों की सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रभावी कदम साबित होगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)

राजस्व प्रकरण क्रमांक 0049 / अपील/2025-26
दिनांक 09.09.2026

राजस्व मामले में नोटिस

मामले का विषय :-0049/अपील/2025-26

- राजबहादुर पिता जीवन सिंह,
- शखवती पिता धन सिंह पिता बाबूलाल सिंह,
- बैसखिया बाई पति जीवन सिंह,
- खेलन सिंह पिता जीवन सिंह,
- गजूरूप सिंह पिता जीवन सिंह, सभी निवासी पकरिहा तहसील कोतमा.....अपीलाथों

बनाम

1. संतोष सिंह पिता जगदेव सिंह गोड निवासी पकरिहा तहसील कोतमा..... उत्तरवादी को जरिये सूचना पत्र नोटिस जारी किया जाकर सुप्रीत किया जाता है कि उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 07.10.2026 को नियत है।

अपण आप दिनांक 07.10.2026 को समय 11.00 बजे न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोतमा जिला अनूपपुर के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। सूचना प्राप्त होने पर नियत समय में उपस्थित न होने पर आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

उपखण्ड अधिकारी (रा.) कोतमा जिला अनूपपुर

